बिहार सरकार
आपदा प्रबंधन विभाग

मुख्य सचिव, बिहार की अध्यक्षता में दिनांक–07.09.2018 को अल्प वर्षापात/संभावित बाढ़ से निपटने हेतु आपातकालीन प्रबंधन समूह (CMG) की बैठक की कार्यवाही।

1. उपस्थिति– संलग्न।

2. **भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (IMD)**

निदेशक, भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के प्रतिनिधि द्वारा बताया गया कि वर्त्तमान में राज्य में औसत वर्षापात में कमी 16 प्रतिशत है तथा 19 प्रतिशत से अधिक विचलन वाले जिलों की संख्या 22 है, जिसमें 50 प्रतिशत से अधिक विचलन वाले जिलों की संख्या 1 **(सहरसा)** है। सामान्य वर्षापात एवं सामान्य से अधिक वर्षापात वाले जिलों की संख्या 16 **(औरंगाबाद, बांका, भभुआ, भागलपुर, बक्सर, गया, गोपालगंज, किशनगंज, मधुबनी, मुंगेर, नवादा, पूर्णियाँ, रोहतास, समस्तीपुर, सीतामढ़ी एवं पश्चिम चम्पारण)** है। माह सितम्बर, 2018 में दिनांक–11, 12 एवं 13 सितम्बर 2018 को राज्य में अच्छी वर्षापात होने की संभावना व्यक्त की गई है।

3. **कृषि विभाग**

कृषि विभाग के निदेशक के द्वारा बताया गया कि राज्य में धान का बीचड़ा का आच्छादन 99.17 प्रतिशत है, धान रोपनी का आच्छादन 95.45 प्रतिशत है एवं मक्का का आच्छादन 83.43 प्रतिशत है। 60 प्रखण्डों में 50 प्रतिशत से कम वर्षापात हुई है, जबकि 09 प्रखण्डों में धान की रोपनी 50 प्रतिशत से कम है, जिसमें बेगूसराय जिला के साम्हो, मटिहानी, बरौनी, बछवाड़ा, तेघरा, भगवानपुर प्रखण्ड, नवादा जिला के पकरीबरावाँ प्रखण्ड, एवं जमुई जिला के अलीगंज प्रखण्ड शामिल हैं। डीजल अनुदान के संबंध में बताया गया है कि ऑन लाईन आवेदन प्राप्त कर अनुदान की राशि वितरण की कार्रवाई की जा रही है। अबतक 374777 किसानों को 38.29 करोड़ रू0 का वितरण किया जा चुका है। वैकल्पिक फसल योजना अन्तर्गत किसानों को आवश्यकतानुसार बीजों का प्रबंध कर उन्हें उपलब्ध करा दिया गया है। उनके द्वारा यह भी बताया गया कि दिनांक 31.07.2018 को माननीय मुख्य मंत्री की अध्यक्षता में सम्पन्न CMG की बैठक में 5 जिले यथा मुजफ्फरपुर, वैशाली, सारण, पटना एवं नालन्दा में कम वर्षापात के आलोक में फसल आच्छादन की स्थिति पर नजर रखने का निदेश दिया गया था, जिसकी अद्यतन स्थिति निम्न है :–

जिला का नाम	IMD के अनुसार औसत वर्षापात में कमी (प्रतिशत में)	धान का बीचड़ा का आच्छादन	धान का आच्छादन (प्रतिशत में)	मक्का का आच्छादन (प्रतिशत में)

		(प्रतिशत में)		
मुजफ्फरपुर	38	94.84	87.44	77.97
वैशाली	42	100.00	76.63	91.30
सारण	47	100.00	94.00	104.60
पटना	24	100.00	95.14	94.05
नालन्दा	22	99.05	95.26	61.02

उनके द्वारा यह भी बताया गया कि जमुई जिला में 77.84 प्रतिशत धान की रोपनी हुई है। इसका मुख्य कारण विलंब से धान की रोपनी है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग द्वारा वर्षापात के संबंध में की गई भविष्यवाणी के आलोक में अच्छी वर्षापात होने पर धान रोपनी को बचाया जा सकेगा।

मुख्य सचिव द्वारा यह निदेश दिया गया है कि कम आच्छादन वाले प्रखण्डों में स्थिति पर सतत निगरानी रखी जाय। वैकल्पिक फसल अन्तर्गत किसानों को उनके आवश्यकता के अनुसार शीघ्र बीज उपलब्ध करा दिया जाय तथा डीजल अनुदान के संबंध में प्राप्त आवेदनों पर कार्रवाई शीघ्र की जाय।

4. जल संसाधन विभाग

जल संसाधन विभाग के प्रतिवेदनानुसार सोन नहर प्रणाली के अन्तर्गत सोन नदी के इन्द्रपुरी बराज पर 149924 घनसेक जलस्राव उपलब्ध है। पूर्वी एवं पश्चिमी संयोजक नहरों में क्रमशः 4715 एवं 8077 घनसेक जलस्राव प्रवाहित किया जा रहा है। उत्तर कोयल नहर प्रणाली के अन्तर्गत उत्तर कोयल नदी में 22100 घनसेक जलस्राव उपलब्ध है। गंडक नहर प्रणाली के अन्तर्गत बाल्मीकीनगर बराज पर 123000 घनसेक जलस्राव उपलब्ध है, जिससे पूर्वी एवं पश्चिमी मुख्य नहरों में क्रमशः 9000 एवं 5000 घनसेक जलस्राव प्रवाहित किया जा रहा है। कोशी नहर प्रणाली के अन्तर्गत वीरपुर बराज पर 111065 घनसेक जलस्राव उपलब्ध है, जिससे पूर्वी एवं पश्चिमी कोशी मुख्य नहरों में क्रमशः 9500 एवं 3400 घनसेक जलस्राव प्रवाहित किया जा रहा है तथा जलाशय/वीयर योजनाएँ से पानी की उपलब्धता एवं किसानों द्वारा पानी की मांग के अनुसार नहरों में जलस्राव प्रवाहित किया जा रहा है। राज्य के वृहत एवं मध्यम सिंचाई योजनाओं से कुल 2108039 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई की लक्ष्य के विरूद्ध कुल 1853826 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई उपलब्ध करायी गई है।

जल संसाधन विभाग द्वारा यह भी बताया गया कि वाराणसी, बक्सर में गंगा खतरे के निशान से नीचे है, परन्तु पटना के दीघा घाट में अब भी खतरे के निशान से उपर है। यह भी एक–दो दिनों में कम हो जाने की संभावना है।

मुख्य सचिव के द्वारा निदेश दिया गया है कि नहरों के जलस्राव पर विशेष ध्यान दिया जाय, और जल के अंतिम छोर तक पहुँचने की व्यवस्था तथा अन्य नदियों के जलस्तर पर सतत् निगरानी कराने का भी निदेश दिया गया।

5. <u>लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग</u>

लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग के प्रतिवेदन के अनुसार राज्य में दक्षिण भाग के 17 जिलों में Median Value के आधार पर अगस्त 2017 की तुलना में अगस्त 2018 (अंतिम सप्ताह) में औसत भू–जलस्तर गिरावट वाले जिलों में जमुई में 2′ से 3′ के बीच भू–जल स्तर में गिरावट है।

राज्य के उत्तरी भाग के 21 जिलों का Median Value के आधार पर अगस्त 2017 की तुलना में अगस्त 2018 (अंतिम सप्ताह) में औसत भू–जलस्तर गिरावट वाले जिलों में वैशाली, सारण, सीवान, पूर्वी चम्पारण एवं मधेपुरा में 0′–1′ के बीच तथा समस्तीपुर में 1′–2′ के बीच भू–जल स्तर में गिरावट है।

वर्त्तमान में 33 टैंकरो के माध्यम से जलापूर्ति की जा रही है, नालन्दा, गया, औरंगाबाद, जमुई, मुजफ्फरपुर एवं वैशाली जिला के 15 प्रखण्डों के 24 पंचायत शामिल हैं। वर्त्तमान वर्ष 2018–19 में अबतक 72426 चापाकलों की मरम्मति करायी गयी है तथा मरम्मति हेतु गैंग की संख्या 356 है। चापाकल मरम्मति हेतु 2483 प्राप्त शिकायत के विरूद्ध 1765 शिकायतों का निष्पादन किया जा चुका है।

मुख्य सचिव के द्वारा भू–जल स्तर पर निगरानी रखने तथा चापाकल मरम्मति में तेजी लाने का निदेश दिया गया।

6. <u>पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग</u>

पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग के सचिव के द्वारा बताया गया कि अल्प वर्षापात तथा संभावित बाढ़ की स्थिति के मद्देनजर सभी आवश्यक तैयारी कर ली गई है।

मुख्य सचिव के द्वारा निदेश दिया गया कि अल्प वर्षापात अथवा बाढ़ की स्थिति होने पर विभाग द्वारा की गई व्यवस्था पर लगातार अनुश्रवण किया जाय।

बैठक सधन्यवाद समाप्त हुई।

ह0/–
(दीपक कुमार)
मुख्य सचिव
बिहार।

ज्ञापांक ..../आ0प्र0 पटना–15, दिनांक–

प्रतिलिपिः– प्रधान सचिव/सचिव, कृषि विभाग/जल संसाधन विभाग/लघु जल संसाधन विभाग/ऊर्जा विभाग/ स्वास्थ्य विभाग/पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग/ग्रामीण विकास विभाग/ लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग, बिहार, पटना/निदेशक, सांख्यिकी एवं मूल्यांकन निदेशालय/ निदेशक, भारतीय मौसम विज्ञान विभाग, फुलवारी शरीफ, पटना/ क्षेत्रीय निदेशक केन्द्रीय भू–जल आयोग, 6 एवं 7वां तल, लोकनायक जय प्रकाश भवन, फ्रेजर रोड, पटना/ कार्यपालक अभियंता, मिडिल गंगा डिविजन–5, केन्द्रीय जल आयोग, पटना को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यार्थ प्रेषित।

ह0/–
(एम0 रामचन्द्रुडु)
अपर सचिव

ज्ञापांक .... /आ0प्र0 पटना–15, दिनांक–

प्रतिलिपिः– मुख्य सचिव, बिहार के विशेष कार्य पदाधिकारी/विकास आयुक्त, बिहार के प्रधान आप्त सचिव को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यार्थ प्रेषित।

ह0/–

अपर सचिव

ज्ञापांक ......2626...... /आ0प्र0 पटना–15, दिनांक– 19/9/18

प्रतिलिपिः– प्रधान सचिव के प्रधान आप्त सचिव/आई0टी0 मैनेजर, आपदा प्रबंधन विभाग, बिहार, पटना (विभागीय वेबसाईट पर अपलोड करने हेतु) को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यार्थ प्रेषित।

18/9/18

अपर सचिव

\\10.76.136.179\2018\Draft\CMG 07.09.2018-2.docx